INTERNATIONAL MANAGEMENT INSTITUTE KOLKATA

7TH CONVOCATION ON 11.05.2019

Coverage in print and electronic media

खबरों की नई पहचान

भारतमित्र

कोलकाता, शुक्रवार, 03 मई, 2019

आईएमआई कोलकाता का दीक्षान्त समारोह

कोलकाता, 2 मई। इंटरनेशनल मैनेजमेंट इन्स्टीट्यूट (आईएमआई) कोलकाता का दीक्षांत समारोह अलीपुर परिसर में सम्पन्न हुआ। श्री संजय मित्रा आईएएस ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। अलीपुर परिसर जजेज कोर्ट में स्थित है। संजय मित्रा वर्ष 2012 से 2015 तक मुख्य सचिव पश्चिम बंगाल के रहे। 2016-17 तक वे रोड ट्रांसपोर्ट एवं हाईवे मंत्रालय में सचिव रहे। इससे पहले 2004-11 तक वे प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव रहे। प्रो. अरिन्दम बनिक, निदेशक, आईएमआई, कोलकाता ने कहा कि आईएमआई के दीक्षांत समारोह में 125 पीजी के छात्र शामिल हुए। इसमें 49 लड़कियां थी। श्री संजीब गोयनका, चेयरमेन, आरपी संजीब गोयनका ग्रुप ने हाल ही में चेयरमेन पद की जिम्मेवारी संभाली है। सभी तीन इन्स्टीट्यूटों में 1200 छात्र हैं।

खबरों की नई पहचान

भारतमित्र

कोलकाता, बुधवार, 08 मई, 2019

संजय मित्रा आईएमआई कोलकाता के सम्मेलन को संबोधित करेंगे

कोलकाता, 7 मई। आईएमआई कोलकाता के 7वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन 11 मई को किया जायेगा। संजय मित्रा, आईएएस सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वे 1982 के बैच के हैं। श्री मित्रा 2012 से 2015 तक पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव रहे। केन्द्रीय रोड ट्रांसपोर्ट एवं राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के वे सचिव रहे। नई दिल्ली विश्वविद्यालय से वे फिजिक्स में मास्टर ऑफ साईंस हैं। आईएमआई के निदेशक प्रो. अरिन्दम बनिक ने कहा कि आईएमआई कोलकाता के दीक्षान्त समारोह में 99 छात्रा सहित 125 पीजी छात्रों को सम्मानित किया जायेगा। आर पी संजीब गोयनका ग्रुप के चेयरमेन श्री संजीब गोयनका तीनों इन्स्टीट्यूट के चेयरमेन हैं। वार्षिक सम्मेलन का आयोजन अलीपुर परिसर में होगा।

दैनिक विश्वमित्र

17 मई, 2019

इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीच्यूट कोलकाता के 7वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में भारत के रक्षा सचिव संजय मित्रा, दीक्षांत समारोह के चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नर्स आईएमआई कोलकाता के सदस्य पी.के. खेतान, निदेशक अरिंदम बनिक तथा डीन (एकेडमिक्स) प्रो. परमिता मुखर्जी एवं अन्य। विश्वमित्र

खबरों की नई पहचान
भारतमित्र
कोलकाता, सोमवार, 13 मई, 2019

आईएमआई कोलकाता का सातवां दीक्षांत समारोह

कोलकाता। आईएमआई कोलकाता का सातवां दीक्षांत समारोह आरपी गोयनका सभागार में सम्पन्न हुआ। 49 छात्रा सहित 125 छात्रों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर आईएएस श्री संजय मित्रा उपस्थित थे। 38 वर्षों तक प्रशासनिक सेवा में सक्रिय श्री मित्रा ने छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि मैनेजमेंट शिक्षा का अत्याधुनिक व्यवसाय के लिये महत्वपूर्ण है। उन्होने छात्रों से कहा कि आपके निजी व्यवसाय मे भी यह कारगर साबित हो सकता है। इससे पूर्व डा. अरिन्दम बनिक, निदेशक, आईएमआई कोलकाता ने विदेशों में भी आईएमआई का महत्व बढ़ रहा है। डा. आर पी गोयनका का गोल्ड मेडेल श्री गौरव गुहा ने ग्रहण किया। सुप्रसिद्ध अधिवक्ता एवं आफईएमआई कोलकाता के बोर्ड आफ गवर्नर श्री पी के खेतान ने अध्यक्षता की।

सलाम दुनिया
कोलकाता, 13 मई 2019, सोमवा

आईएमआई कोलकाता का 7वाँ दीक्षांत समारोह

हाल ही में आईएमआई कोलकाता का 7वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर रक्षा सचिव संजय मित्रा की उपस्थिति में 125 विद्यार्थियों को पीजीडीएम की डिग्री प्रदान की गयी। समारोह के दौरान आईएमआई कोलकाता के निदेशक डॉ. अरिंदम बानिक भी उपस्थित थे। समारोह के दौरान डॉ. आर.पी. गोयनका स्वर्ण पदक से गौरव गुहा को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त पी.के. खेतान भी दीक्षांत समारोह के दौरान उपस्थित थे।

प्रभात खबर
कोलकाता, रविवार
12.05.2019 | 04

49 लड़कियों समेत 125 विद्यार्थियों ने हासिल किया पीजीडीएम

कोलकाता. आइएमआई कोलकाता इंस्टीट्यूट ने शनिवार को आरपी गोयनका ऑडिटोरियम में दीक्षांत समारोह के दौरान 49 लड़कियों समेत 125 विद्यार्थियों को आइएएस व रक्षा मंत्रालय के सचिव संजय मित्रा की उपस्थिति में पीजीडीएम की डिग्री प्रदान की. प्रशासनिक विभाग में अपने 38 वर्ष के अनुभव को साझा करते हुए आइएएस संजय मित्रा ने कहा कि प्रबंधन की शिक्षा अनेक क्षेत्रों में विशेषाधिकार देती है. उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इंस्टीट्यूट के माध्यम से आधुनिक व्यवसाय प्रबंधकों के लिए सबसे उन्नत विचारों व प्रक्रियाओं से अवगत हुए हैं. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें वास्तविक जीवन की स्थितियों को संभालने के उनके कौशल का सम्मान किया जाता रहे. जिस प्रकार से इस दीक्षांत समारोह में किया गया है. आइएमएम कोलकाता के निदेशक ने आइएमआई के अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूल से संबंधों व सहयोगों के बारे में कहा. उन्होंने स्कूल के फ्रांस, चीन और फिनलैंड से संबंध को संदर्भित किया. दीक्षांत समारोह के दौरान डॉ आरपी गोयनका गोल्ड मेडल, गौरव गुहा ने प्राप्त किया. जानेमाने वकील व आइएमआई के सदस्य पीके खेतान दीक्षांत समारोह के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे.

6 सन्मार्ग
रविवार ॥ 12मई, 2019 ॥ कोलकाता

आईएमआई कोलकाता द्वारा 7वां दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। यहां 125 छात्र छात्राओं को पीजीडीएम की डिग्रियां, रक्षा मंत्रालय में सेक्रेटरी एवं राज्य चीफ सेक्रेटरी रह चुके आईएएस संजय मित्रा की उपस्थिति में दी गई। दीक्षांत भाषण देते हुए संजय मित्रा ने कहा कि एडुकेशन मैनेजमेंट आपको बहुत सारी सुविधाएं देंगी जिसमें से आपको एडवांस आइडियाज को लेकर भविष्य में मैनेजमेंट की दुनिया में आगे बढ़ना है। कार्यक्रम में आईएमआई के डायरेक्टर डा. अरिंदम बानिक उपस्थित थे। इसके अलावा डा. आर.पी गोयनका गोल्ड मेडल गौरव गुहा को दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमआई कोलकाता के बोर्ड ऑफ गवरनर्स के सदस्य पी.के खेतान ने की।

দৈনিক স্টেটসম্যান বুধবার ৮ মে ২০১৯ • কলকাতা

আইএমআই এর সমাবর্তন

নিজস্ব প্রতিনিধি— কলকাতায় আইএমআই এর ৭ম সমাবর্তনে ১১ মে প্রতিরক্ষামন্ত্রকের সচিব ও রাজ্যের প্রাক্তন মুখ্যসচিব সঞ্জয় মিত্র দীক্ষান্ত ভাষণ দেবেন। অনুষ্ঠানে উপস্থিত থাকবেন সংস্থার ডিরেক্টর অরিন্দম বণিক, আরপি গোয়েঙ্কা গ্রুপের চেয়ারম্যান সঞ্জীব গোয়েঙ্কা প্রমুখ।

গণশক্তি || কলকাতা || ৮ মে || বুধবার || ২০১৯

শনিবার আইএমআই'র সমাবর্তন

নিজস্ব প্রতিনিধি: কলকাতা, ৭ মে– আইএমআই কলকাতার সমাবর্তনের উদ্বোধন করবেন কেন্দ্রীয় প্রতিরক্ষা দপ্তরের সচিব সঞ্জয় মিত্র। শনিবার আইএমআই'র সপ্তম সমাবর্তন অনুষ্ঠিত হবে আলিপুরের জজেস রোডের ক্যাম্পাসে। পশ্চিমবঙ্গের প্রাক্তন মুখ্য সচিব বর্তমানে প্রতিরক্ষা দপ্তরের সচিবের দায়িত্বে রয়েছেন। আইএমআই'র অধিকর্তা অধ্যাপক অরিন্দম বনিক জানিয়েছেন এবারে সমাবর্তনে স্নাতকোত্তরে ১২৫ জন ছাত্র আশ নিচ্ছেন। যাঁদের মধ্যে ৪৯ জন ছাত্রী। এবছর ড. রামাপ্রসাদ গোয়াঙ্কা নামাঙ্কিত স্বর্ণ পদক পুরস্কার পাচ্ছেন গৌরব গুহ। যুগ্মভাবে রৌপ্য পদক পাচ্ছেন বিশেষ ডালমিয়া এবং অজিত বোরার। দিল্লি, কলকাতা এবং ভুবনেশ্বরে আইএমআই'র ক্যাম্পাস রয়েছে। এই তিনটি প্রতিষ্ঠানের চেয়ারম্যান সঞ্জীব গোয়েঙ্কা। মোট ছাত্র রয়েছেন ১২০০জন।

লিপি
কলকাতা, বৃহস্পতিবার, ৯ মে, ২০১৯
Kolkata : Thursday : May 9, 2019
Arthik Lipi, Page 6

আইএমআই-এর সমাবর্তনে সঞ্জয় মিত্র

স্টাফ রিপোর্টার : ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইনস্টিটিউটের সপ্তম সমাবর্তন অনুষ্ঠানে বক্তব্য রাখবেন আইএএস অফিসার সঞ্জয় মিত্র। বর্তমানে তিনি কেন্দ্রীয় প্রতিরক্ষা মন্ত্রকের সচিব পদে নিযুক্ত। আগামী ১১ মে কলকাতার আলিপুর ক্যাম্পাসে সকাল সাড়ে ১০টা থেকে এই সমাবর্তন অনুষ্ঠিত হবে। সঞ্জয় মিত্র, ১৯৮২-র ব্যাচের আইএএস। ২০১২ সাল থেকে ২০১৫ সাল পর্যন্ত তিনি পশ্চিমবঙ্গের মুখ্য সচিব হিসাবে দায়িত্ব সামলান। ২০১৬-১৭ সালে সঞ্জয় মিত্র সড়ক পরিবহণ মন্ত্রকের সচিব ছিলেন। ২০০৪ সাল থেকে ২০১১ সাল পর্যন্ত এই আইএএস অফিসার প্রধানমন্ত্রীর দফতরে যুগ্ম সচিব হিসাবে দায়িত্বে ছিলেন।

দিল্লি বিশ্ববিদ্যালয় থেকে পদার্থ বিজ্ঞানে এমএসসি করার পর হার্ভার্ডের জে এফ কেনেডি স্কুল অফ গভর্নমেন্ট থেকে পড়াশোনা করেন। অর্থনীতিতেও স্নাতকোত্তর ডিগ্রিধারী সঞ্জয় মিত্র। কলকাতা ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইনস্টিটিউটের ডিরেক্টর অধ্যাপক অরিন্দম বণিক জানিয়েছেন, এ বছর ১২৫ জন স্নাতকোত্তর পড়ুয়াকে নিয়ে হবে সমাবর্তন। তাদের মধ্যে ৪৯ জন ছাত্রী রয়েছেন। সমাবর্তন অনুষ্ঠানে ডঃ রমাপ্রসাদ গোয়েঙ্কা গোল্ড মেডেল প্রদান করা হবে গৌরব গুহকে। যুগ্মভাবে সিলভার মেডেল দেওয়া হবে বিশেষ ডালমিয়া এবং অজিত বোরারকে। ২০১০ সালে কলকাতায় ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইনস্টিটিউট তৈরি হয়। কলকাতার পাশাপাশি দিল্লি ও ভুবনেশ্বরেও এর ক্যাম্পাস রয়েছে। আরপি-সঞ্জীব গোয়েঙ্কা গ্রুপের চেয়ারম্যান সঞ্জীব গোয়েঙ্কা এই তিনটি ইনস্টিটিউটেরই চেয়ারম্যান। এই তিনটি ইনস্টিটিউটের প্রায় ১২০০ পড়ুয়া রয়েছেন। শিক্ষকদের সংখ্যা ১০০।

দুরন্ত বার্তা

সোমবার, ১৩ মে, ২০১৯ । ৩

আই এম আই-র ৭ তম বার্ষিক কনভোকেশন

রবীন্দ্র কুমার শীল, কলকাতা : গত ১১ মে সকালে ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইন্সটিটিউটের ৭ তম বার্ষিক কনভোকেশন আর আয়োজন করা হয়েছিল ডক্টর আরপি গোয়েঙ্কা প্রেক্ষাগৃহে। সভায় উপস্থিত ছিলেন ভারত সরকারের প্রতিরক্ষা সচিব শ্রীসঞ্জয় মিত্র। কনভোকেশন চেয়ারম্যান হিসাবে উপস্থিত হন পি কে খৈতান। কনভোকেশন এর প্রদীপ প্রজ্জ্বলন করেন প্রতিরক্ষা সচিব শ্রীসঞ্জয় মিত্র। তার সঙ্গে সহযোগিতা করেন চেয়ারম্যান পি কে খৈতান। এদিন ডিরেক্টর অরিন্দম বণিক বার্ষিক রিপোর্ট পাঠ করেন। শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের ডিন অধ্যাপক পারমিতা মুখার্জি প্রধান অতিথি শ্রীসঞ্জয় মিত্রকে সবার সঙ্গে পরিচিত করিয়ে দেন। সভায় সাফল ছাত্রছাত্রীদের গ্রাজুয়েট ডিপ্লোমা দেওয়া হয়। জাতীয় সঙ্গীত পরিবেশন করে সভাসমাপ্ত করা হয়।

লিপি। কলকাতা, রবিবার, ১২ মে, ২০১৯
Kolkata, Sunday, May 12, 2019
Arthik lipi, Page 3

৩। কলকাতার মুখ

http://www.millenniumpost.in/kolkata/spare-a-thought-for-the-poor-and-the-needy-says-sanjay-mitra-352719

Spare a thought for the poor and the needy, says Sanjay Mitra

M Post11 May 2019 10:49 PM Kolkata

Union Defence secretary Sanjay Mitra on Saturday urged the management students of International Management Institute (IMI), Kolkata, to contribute towards making the life of the poor and deprived in the county better. "As alumni of this prestigious school, the array of possibilities for carving out a successful career is waiting for you. By all means make money, get rich, be successful but somewhere in some corner of your mind, do keep a thought of how your achievements can translate into contributing towards making the life of the poor and needy better," Mitra said, addressing the 7th Convocation of IMI, Kolkata, on Saturday.

Mitra further reminded the students about their role in chartering the country to its progress path in the days to come. "Our country, with its immense reserve of human and physical resources, is lacking not in the quantity and quality of these resources but in the way we have utilised them. You, with your intellect and training, can bring on board the much-needed competence and balance to the field of public administration, thus becoming a part of the nation building process. I urge you to consider this as an option in your endeavours," he said. 125 students of the premier management institute that includes 49 girls received their PGDM at the Convocation. Arindam Banik, director of IMI Kolkata, spoke about the institute's growing number of international collaborations with business schools in France, China and Finland. "We have received 3,500 applications in PGDM from 29 states across India which clearly proves the growing popularity of the institute," Banik maintained.

- B-SCHOOL NEWS

13 May 2019 18:54 IST

Team BLoC

Use resources judiciously, Defence Secretary tells IMI students

Sanjay Mitra was speaking to graduates at IMI's seventh convocation in Kolkata

The RP Goenka Auditorium of International Management Institute (IMI), Kolkata, was packed to capacity as 125 students, including 49 women, received their management diplomas in the presence of IAS officer Sanjay Mitra, Secretary, Ministry of Defence, who delivered the convocation address.

Recalling his 38 years in the administrative services, Sanjay Mitra said, "Management education has endowed on you many privileges — you have been exposed to the most advanced ideas and processes for modern business managers; technical skills that the best managements in the world are looking to build; you have been taught the tools of professional managers, and have been honing your skills to handle real-life situations."

"Your learning at IMI has armed you with a formidable array of tools to combat problems. But at the end of the day, you must remember that it is merely a toolkit," he added.

Using resources carefully

Mitra said, "Our country with its immense reserve of human and physical resources is lacking not in the quantity and quality of these resources, but in the way we have utilised these resources."

Mitra concluded, "You are embarking on a most exciting journey. The world out there is fiercely competitive, but you should have no fear. You have been tempered by one of the most rigorous programmes in the world and are now ready to show your mettle."

Earlier, Dr Arindam Banik, Director, IMI Kolkata, referred to IMI's growing number of international collaborations with B-schools in France, China and Finland.

Gaurav Guha received the Dr RP Goenka gold medal. PK Khaitan, renowned lawyer and Member of IMI's Board of Governors, presided over the convocation.

MORNING INDIA www.pmedia.in 03 Kolkata, Sunday 12 May 2019

IIM teach tools of professional management to handle real life situations: Goenka

MI NEWS SERVICE

KOLKATA : The R P Goenka auditorium of IIM Kolkata was packed to its capacity when its 125 students including 49 girls received their PGDM in the presence of Sanjay Mitra, presently Secretary in the Ministry of Defence, who later delivered the convocation address.

An IAS of the 1982 batch, Sanjay Mitra was Chief Secretary of West Bengal during 2012-15. A Master of Science in Physics from the University of Delhi, Mitra did his Masters of Public Administration as a Mason Fellow from J F Kennedy School of Government from Harvard University.

While welcoming and reminiscing his days in educational institutes, Chairman of R P Goenka group Sanjeev Goenka said, " It is a great privilege for me to stand here, and speak with you on what is likely, a memorable day in your lives so far. It is hard for me to believe that many decades have passed since the day I graduated. I remember a myriad of emotions from that day - pride at having got thus far, anxiety about what the future might bring, and eagerness for the next phase of life".

He further added, "My time in college was more than I could have ever wished for. I learned from sage advisors, made lifelong friends, and later chose a career where I worked as a part of the vast administrative system, made an earnest effort to make things better.

While wishing graduates of this institute, he further told two years ago, they chose to get management education at IMI, Kolkata. That choice has endowed on them many privileges, he mentioned. "You have been exposed to the most advanced ideas and processes for modern business managers along with technical skills that the best managements in the world are looking to build. You have been taught the tools of professional managers, and have been honing your skills to handle real life situations", he added.

While delivering about his institutions goal and mission he said, "My intention is not to sermonise by telling you that you are about to begin your lives. It would be unfair to use that cliché with you. The very fact that you were admitted to IMI, Kolkata means that you have been amongst the crème de la crème", he said.

"The choices you make there will define who you become", Goenka added. As Dumbledore told Harry, "It is our choices Harry, that show what we truly are, far more than our abilities", he told.

While comparing his life, "As I reflect on my own life, I believe there are choices that have particularly shaped who I am today, choices that you might yourself face soon", he explained.

"Today, I want to talk to you about those choices. In life, you will encounter forks in the road ever so often: And when you do, you will find yourself answering the inevitable question", he cleared everyone's doubts.

"The more complex and novel situations I have faced have helped me to grow and remain relevant. Growth begins where your comfort zone ends and should be the only constant in life. Every time I have found myself at one of life's crossroads, I have tried to take the path which offers me a steeper learning curve. One must always strive to understand new ways to learn, and slowly move to a level where learning itself becomes a habit", Goenka told.

While wishing the students for the forthcoming days, "Standing amidst you here, I feel a surge of excitement and wonder. Excitement at the thought that as you stop out on the anvil of life, possibilities of immense magnitude await you. Wonder at the idea that how much the world has changed and changed for the better in terms of technology, communications and resource utilization and the critical role you would be playing as agents of change", he told

According to his observation, "Time is a great wealth that you lose as you grow older. Yet, one does gain experience and a certain confidence in one's work as the time goes by. In the sea of uncertainty, this quiet confidence in what you do makes the ride much easier and worthwhile", he mentioned.

While concluding he said, "You are embarking on a most exciting journey. The world out there is fiercely competitive, but you should have no fear. You have been tempered by one of the most rigorous programs in the world and are now ready to show your mettle", he told.

Recalling his 38 years in the administrative services, Mitra told the IMI students, "The management education has endowed on you many privileges. You have been exposed to the most advanced ideas and processes for modern business managers; technical skills that the best managements in the world are looking to build. You have been taught the tools of professional managers, and have been honing your skills to handle real life situations."

Elaborating the point further, Mitra said, "Your learning at IMI has armed you with a formidable array of tools to combat problems. But at the end of the day, you must remember that it is merely- a tool kit."

Referring to the important role awaiting bright young talents of this country, Mitra added, "Our country with its immense reserve of human and physical resources is lacking not in the quantity and quality of these resources, but in the way we have utilised these resources."

"You are embarking on a most exciting journey. The world out there is fiercely competitive, but you should have no fear. You have been tempered by one of the most rigorous programs in the world and are now ready to show your mettle", Mitra concluded.

Earlier, Arindam Banik, Director of IMI Kolkata referred to IMI's growing number of international collaborations with business schools in France, China and Finland.

The Dr. R. P. Goenka Gold Medal was received by Gaurav Guha, P.K. Khaitan, renowned lawyer and Member of IMI Kolkata's Board of Governors, presided over the convocation.

THE ECHO OF INDIA · KOLKATA
Sunday · May 12, 2019

IMI Kolkata holds its 7th Convocation

Defence Secy delivers Convocation Address

Gourav Guha receiving Dr. Rama Prasad Goenka Gold Medal from Sanjay Mitra at the convocation of IMI Kolkata. Also seen in the picture are P K Khaitan, Member of BOG and Professor Arindam Banik-Arijit Ganguly

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, MAY 11/-- /The R P Goenka Auditorium of IMI Kolkata was packed to capacity when its 125 students including 49 girls received their PGDM in the presence of Sanjay Mitra, IAS, presently the Secretary in the Ministry of Defence, who later delivered the Convocation Address. An IAS of the 1982 batch, Mr Mitra was Chief Secretary, West Bengal during 2012-15. A Master of Science in Physics from the University of Delhi, he did his Masters of Public Administration as a Mason Fellow from J F Kennedy School of Government from Harvard University.

Recalling his 38 years in the administrative services, Mr. Mitra told the IMI students, "The management education has endowed on you many privileges - you have been exposed to the most advanced ideas and processes for modern business managers; technical skills that the best managements in the world are looking to build; you have been taught the tools of professional managers, and have been honing your skills to handle real life situations."

Elaborating the point further, Mr. Mitra said, "Your learning at IMI has armed you with a formidable array of tools to combat problems. But at the end of the day, you must remember that it is merely-a toolkit."

Referring to the important role awaiting bright young talents of this country, Mr. Mitra said, "Our country with its immense reserve of human and physical resources is lacking not in the quantity and quality of these resources, but in the way we have utilised these resources."

Mr. Mitra concluded: "You are embarking on a most exciting journey. The world out there is fiercely competitive, but you should have no fear. You have been tempered by one of the most rigorous programs in the world and are now ready to show your mettle."

Earlier, Dr. Arindam Banik, Director of IMI Kolkata referred to IMI's growing number of international collaborations with business schools in France, China and Finland.

The Dr. R. P. Goenka Gold Medal was received by Gaurav Guha. P.K. Khaitan, renowned lawyer and Member of IMI Kolkata's Board of Governors, presided over the Convocation.

The Sunday Statesman
KOLKATA, 12 MAY 2019

India lacking in the way resources are used: Mitra

STATESMAN NEWS SERVICE
KOLKATA, 11 MAY

India with its immense reserves of human and physical resources is lacking not in the quality and quantity of these resources, but in the way the resources are being utilised, said Mr. Sanjay Mitra, Union defence secretary today at the convocation of a private management institute.

"Our country with its immense reserves of human and physical resources is lacking not in the quantity and quality of these resources but in the way we have utilised the resources. You with your intellect and training can bring on board a much needed competence and balance to the field of public administration, this becoming a part of nation building. I urge you to consider this as an option in your endeavours," he said. He asked the students who graduate from that institute to contribute to the welfare to the needy people of the country. "By all means make money, get rich, be successful but somewhere in some corner of your mind, do keep a thought of how it will contribute to making the life of the poor and deprived better," Mitra said.

Recalling his 38 years in the administrative services, Mitra told, "Education has endowed on you many privileges, the technical skills that you have learnt will help you to handle real life situation."

Samay Paribartan KOLKATA | 12 MAY 2019 | SUNDAY

We lack in utilising our resources: Sanjay Mitra

Gourav Guha receiving Dr. Rama Prasad Goenka Gold Medal from Defence Secretary, Sanjay Mitra and Professor Arindam Banik at the convocation of IMI Kolkata..

Sarnavo Das

Defence Secretary Sanjay Mitra said on Saturday that India is lacking in the way of utilizing its resources otherwise it's armed with everything, both quantity and quality. "Our country with its immense reserve of human and physical resources is lacking not in the quantity and quality of these resources, but in the way we have utilised these resources", he said.

Mitra was in town to grace the seventh convocation of IMI (International Management Institute). The Defence Secretary addressed students who successfully completed their PGDM (Post Graduate Diploma in Management) at IMI Kolkata that was packed to capacity when 125 students including 49 girls were felicitated. People listened in rapt attention when the eminent bureaucrat shared some anecdotes which were all filled with positivity.

Recalling his 38 years in the administrative services, Mitra told: "The management education has endowed on you many privileges – you have been exposed to the most advanced ideas and processes for modern business managers; technical skills that the best managements in the world are looking to build; you have been taught the tools of professional managers, and have been honing your skills to handle real life situations."

Elaborating the point further, Mitra said: "Your learning at IMI has armed you with a formidable array of tools to combat problems. But at the end of the day, you must remember that it is merely– a toolkit."

Mitra concluded: "You are embarking on a most exciting journey. The world out there is fiercely competitive, but you should have no fear. You have been tempered by one of the most rigorous programs in the world and are now ready to show your mettle."

An IAS of the 1982 batch, Sanjay Mitra was Chief Secretary, West Bengal during 2012-15. A Master of Science in Physics from the University of Delhi, Mitra did his Masters of Public Administration as a Mason Fellow from J F Kennedy School of Government from Harvard University.

Earlier, Dr. Arindam Banik, Director of IMI Kolkata referred to IMI's growing number of international collaborations with business schools in France, China and Finland. The Dr. R. P. Goenka Gold Medal was received by Gaurav Guha. P.K. Khaitan, eminent lawyer and Member of IMI Kolkata's Board of Governors presided over the convocation.